NCERT Solutions for Class 9 Hindi Kshitij Chapter 2 – ल्हासा की ओर

ल्हासा की ओर, राहुल सांकृत्यायन द्वारा लिखी गई यात्रा-वृत्तांत, विद्यार्थियों को तिब्बत की रहस्यमयी संस्कृति, समाज, और प्राकृतिक सौंदर्य के अद्भुत अनुभवों से रूबरू कराती है। यह अध्याय न केवल रोमांचक यात्रा का विवरण प्रस्तुत करता है बल्कि साहस, धैर्य और नए परिवेश में ढलने की प्रेरणा भी देता है। हम यहां नवीनतम NCERT पाठ्यपुस्तक (2025-26) के अनुसार सभी प्रश्नों के प्रमाणिक, आसान और step-by-step हल देंगे, ताकि आप कठिनाई बिना पूरे चैप्टर को बखूबी समझ सकें।

इस समाधान में शामिल हैं: सभी पाठ्यपुस्तक प्रश्नों के उत्तर, व्याख्यात्मक उदाहरण, अतिरिक्त अभ्यास, MCQ, उत्तरों में रोचकता, और अध्ययन के व्यावहारिक टिप्स – सबकुछ बिल्कुल SEO-फ्रेंडली एवं परीक्षा उपयोगी शैली में।

Introduction to ल्हासा की ओर NCERT Solutions

ल्हासा की ओर NCERT Solutions कक्षा 9 हिंदी क्षितिज के दूसरे अध्याय का सम्पूर्ण अभ्यास है, जिसमें छात्र लेखक के साथ तिब्बत की दुर्गम यात्रा का अनुभव करते हैं। राहुल सांकृत्यायन की दृष्टि, उनकी कठिनाइयों, एवं तिब्बती समाज के अनूठे रीति-रिवाजों को विस्तार से समझना छात्रों के लिए आवश्यक है। इस चैप्टर में लेखक की यात्रा, चुनौतियाँ और तिब्बत की सामाजिक एवं भौगोलिक स्थिति का वर्णन मिलता है।

Detailed NCERT Solutions for ल्हासा की ओर

यहाँ NCERT Class 9 हिंदी क्षितिज Chapter 2 "ल्हासा की ओर" के सभी पाठ्यपुस्तक प्रश्न और उनके stepwise answers दिए गए हैं, जो बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षा दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

प्रश्न 1: थोंगला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला, जबकि दूसरी यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर: तिब्बत में यात्रियों की ठहरने की व्यवस्था एक-जैसी नहीं थी; वहाँ जान-पहचान वालों को ही अच्छे स्थान मिलते थे। पहली यात्रा में सुमति की अच्छी पहचान के कारण लेखक को अच्छा ठिकाना मिला, जबकि दूसरी यात्रा में देर रात पहुँचना, वेश बदलना और सुमति का साथ ना होना, कारण बने कि उन्हें अच्छा स्थान नहीं मिला।

प्रश्न 2: उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उत्तर: हथियार रखने का कोई कानून नहीं था, जिससे डाकुओं का डर बना रहता था। वे खुल्लमखुल्ला हथियार लेकर चलते थे, और लूटपाट या हत्या भी कर सकते थे। पुलिस या सुरक्षा की व्यवस्था न होने से यात्रियों को हमेशा अपनी जान का खतरा महसूस होता था।

प्रश्न 3: लेखक लंकोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गया?

उत्तर: लेखक का घोड़ा थका हुआ और कमजोर था। चलते-चलते रास्ता भटक गया, जिससे साथी आगे निकल गए। गलती का एहसास होने पर लौटे तो काफी पिछड़ चुके थे।

प्रश्न 4: लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

उत्तर: पहली बार लेखक जानता था कि सुमति अपने यजमानों के पास जाकर देर कर सकते हैं, इसलिए रोका। दूसरी बार लेखक खुद पुस्तकों के अध्ययन में इतना तल्लीन था कि रोका नहीं।

प्रश्न 5: अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर:

- तेज़ धूप में चलना पड़ा।
- रास्ता भटकने और फिर लौटना पड़ा।
- गरीब झोपड़ी में रहना पड़ा।
- डाकुओं के डर से भिखमंगे का वेश धारण करना पड़ा।
- कठिन पहाड़ी मार्ग में सफर किया।
- सुमति के गुस्से का सामना किया।
- तिब्बत का मौसम और वातावरण नया था।

प्रश्न 6: प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत के अनुसार उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

उत्तर:

- समाज में छुआछूत, जाति-पांति जैसी कुरीतियाँ नहीं थीं।
- सब लोग खुले और मिलनसार थे।
- महिलाएँ पर्दा नहीं करती थीं।
- धर्म में आस्था थी, लेकिन अंधविश्वास भी काफी था।
- मेहमाननवाजी प्रमुख थी; बिना पहचान के लोग परेशानी भी झेलते थे।
- ज़मीन जागीरदारों और मठों में बंटी थी।

प्रश्न 7: 'मैं अब पुस्तकों के भीतर था।' किस अर्थ में प्रयोग हुआ है?

उत्तर: (क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

प्रश्न 8: सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?

उत्तर:

- सुमति बौद्ध धर्मगुरु थे।
- तिब्बत के लोगों से अच्छी जान-पहचान थी।
- स्वभाव से मिलनसार और समय के पाबंद थे।
- धार्मिक आस्था रखने वाले, आतिथ्य सत्कार तथा सहयोग में कुशल थे।

प्रश्न 9: 'हालांकि उस वक्त मेरा वेश ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख़याल करना चाहिए था।' — इस कथन के अनुसार क्या वेशभूषा के आधार पर व्यवहार तय करना उचित है? विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर: यह उचित नहीं है। वेशभूषा देखकर किसी से व्यवहार करना समाज में गैर-जरूरी भेदभाव बढ़ाता है। व्यवहार शुद्ध मानवीय मूल्य और चरित्र पर आधारित होना चाहिए, न कि कपड़ों या पहनावे पर।

प्रश्न 10: यात्रा-वृत्तांत के अनुसार तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द-चित्र प्रस्तुत करें। आपके राज्य/शहर से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर:

- तिब्बत हिमालय के पास, ऊँचे पहाड़ों पर स्थित है, जहाँ की जलवायु कठोर और बर्फीली है।
- इस क्षेत्र में बड़े मैदान, ऊँचे पर्वत, और कठिन रास्ते हैं।
- यह भारत की समतल भूमि या सामान्य पर्वतीय क्षेत्रों से बिल्कुल अलग है।

प्रश्न 11: आपने भी किसी स्थान की यात्रा की होगी? यात्रा के दौरान हुए अनुभवों को लिखकर प्रस्तुत करें।

उत्तर: (छात्र अपना अनुभव लिखें, जैसे पहाड़ी यात्रा, धार्मिक यात्रा आदि)

प्रश्न 12: यात्रा-वृत्तांत गद्य साहित्य की एक विधा है। आपकी इस पाठ्यपुस्तक में कौन-कौन सी विधाएँ हैं? प्रस्तुत विधा उनसे किन मायनों में अलग है?

उत्तर: गद्य साहित्य में कहानी, निबंध, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत आती हैं। यात्रा-वृत्तांत किसी स्थान या यात्रा के अनुभवों का वर्णन करता है, जो अन्य विधाओं से भिन्न है।

प्रश्न 13: 'जान नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे।' — इस वाक्य को अलग-अलग तरीके से लिखिए।

उत्तर:

- अनुमान लगाना कठिन था कि घोड़ा आगे बढ़ रहा है या पीछे।

- लग नहीं रहा था कि गति किस दिशा में है।

प्रश्न 14: पाठ में प्रयुक्त अंचलिक शब्द लिखिए।

उत्तर:
डँडे, राहदारी, फरी-कतिपर, गाँव-तगराँव, चड़ी, खटी आदि।

प्रश्न 15: पाठ में कुछ शब्दों के आगे विशेषता बताने वाले विशेषण आए हैं, ऐसे और शब्द छाँटिए।

उत्तर:
चीनी, गरीब, बहूत, चिट्ठी, तिब्बती, व्यापारिक, विशाल, ठण्डा, अच्छे, मोटे, आदि।

Class 9 Hindi **Kshitij Chapter 2** Lhasa Ki Aur Interactive Questions

1. लेखक ने किस वेश में पहली यात्रा की थी?
    - (a) व्यापारी
    - (b) भिखमंगा
    - (c) भद्र यात्री
      उत्तर: (b)
2. तिब्बत में किस चीज की वजह से यात्रियों को डर लगता था?
    - (a) पुलिस
    - (b) हिमपात
    - (c) डाकू
      उत्तर: (c)
3. सुमति का क्या मुख्य गुण था?
    - (a) संवादहीन
    - (b) धार्मिक और मिलनसार
    - (c) गुस्सैल
      उत्तर: (b)

Summary of ल्हासा की ओर **Chapter**

राहुल सांकृत्यायन की 'ल्हासा की ओर' एक अद्‌वितीय यात्रा-वृत्तांत है जिसमें लेखक तिब्बत की यात्रा के दौरान अनुभव की कठिनाइयाँ, स्थानीय समाज, भौगोलिक परिस्थितियाँ, और संस्कृति को विस्तार से प्रस्तुत करता है। पाठ में संबंधों की महत्ता, साहस, और नये परिवेश में ढलने की प्रेरणा उपजती है। यह एक प्रेरणादायक यात्रा है जिसमें संस्कृति, जीवनशैली, और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा मिश्रण मिलता है।

Extra Questions on ल्हासा की ओर

1. लेखक ने तिब्बत की यात्रा किस वेश में क्यों की?
2. भिखमंगे के वेश में यात्रा करने के क्या लाभ और नुकसान थे?
3. तिब्बत की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन करें।
4. सामाजिक व्यवस्था और धार्मिक आस्था की भूमिका क्या रही?
5. यात्रा-वृत्तांत अन्य विधाओं से किस प्रकार अलग होता है?
6. तिब्बत में खेती की स्थिति कैसी थी?
7. लेखक ने कठिनाई के बावजूद यात्रा जारी क्यों रखी?

Tips and Tricks to Master ल्हासा की ओर

- यात्रा-वृत्तांत की संरचना, उद्देश्य, और भाषा पर ध्यान दें।
- हर प्रश्न का उत्तर लिखते समय उदाहरण और संदर्भ जोड़ें।
- कठिनाइयों तथा समाज के विवरण को उद्घाटित करें।
- अंचलिक शब्दों और विशेषणों का अभ्यास करें।
- MCQs और अतिरिक्त अभ्यास से याददाश्त मजबूत करें।
- रोचक घटनाओं को जीवन के अनुभव से जोड़ें।
- सारांश लिखना नियमित रूप से अभ्यास करें।

FAQs on ल्हासा की ओर

1. ल्हासा की ओर किसने लिखा है?
   राहुल सांकृत्यायन ने।
2. यात्रा-वृत्तांत क्या है?
   किसी स्थान या यात्रा के अनुभवों का विस्तार से वर्णन।
3. तिब्बत की सबसे बड़ी कठिनाई क्या थी?
   डाकुओं का डर और परिवहन की कठिनाइयाँ।
4. भिखमंगे के वेश में यात्रा करने का क्या उद्देश्य था?
   सुरक्षा और प्रवेश की सुविधा।
5. सुमति किसका प्रतिनिधित्व करता है?
   धार्मिक आस्था और स्थानीय मार्गदर्शक का।